एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

पहला प्रश्नपत्र — पाठ्य पुस्तक तथा कार्यरूप व्याकरण

रविवार, दिनांक १९ दिसंबर, २०२१

(**समय** : सुबह १०.३० से दोपहर १.१५ बजे तक)

(**मौखिक परीक्षा की अवधि मिलाकर**)

(**कुल अंक** — १००)

सूचनाएँ.—(१) प्रश्न क्रमांक दूसरा (अ) छोड़कर सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखें।
(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।
(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठ पर लिखिए।

अंक

प्रश्न १ निम्नलिखित गद्य अवतरणों में से किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए। १५

अ) "पहले यह होता था कि किसी ने नाम पूछा और हमने कोई भी पत्रिका उठा ली, जिस किसी कहानी की नायिका या नायक का नाम दिखा, वही टिका दिया। लोग होते भी इतने सरल थे कि झट वह नाम पसंद कर लेते थे।"

ब) "मैंने कहा न कि ये रिश्तेदार है। ये जानते हैं कि कर भला, तो हो भला इसलिए ये एक-दूसरे को साथ देते हुए चलते हैं। ये बहुत दूर तक उड़ते हुए चले जाते हैं। ये एक बार में दस घंटे उड़ सकते है।"

क) "रख ले। तेरी बोहनी नहीं हुई है, इसलिए।"

ड) "इनसे छोटी-छोटी मदद की भी उम्मीद नहीं की जा सकती........ वह झल्लाहट में पैर पटकती डायनिंग टेबल तक पहुँची।....... यहाँ कहाँ रख दिया अंधेरे में ! कोई चीज जगह पर नहीं मिलती।"

प्रश्न २ निम्नलिखित पद्य पंक्तियों में से किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए। १५

अ) "जहाँ पर भाईयों में प्यार का सागर नहीं होता
वो ईटों का मकाँ होता है, लेकिन घर नहीं होता।"

ब) "उषा जाग उठी प्राची में कैसी बाट, भरोसा किनका।,
शक्ति रहे तेरे हाथों में, छूट न जाय यह चार सृजन की।"

क) प्रीति करि काहू सुख न लह्यौ।
प्रीति पतंग करी पावक सौं, आपै प्रान दह्यौ॥
अलिसुत प्रीति करी जलसुत सौं, संपुट मांझ गह्यौ।
सारंग प्रीति करी जु नाद सौं, सन्मुख बान सह्यौ॥

ड) "लक्ष्मीबाई का घोडा था ठिठका, जहाँ नदी के तट पर,
जहाँ शिवाजी कैद हुए थे उस कारागृह की चौखट पर।
वीर भगतसिंह की समाधि पर, अशफाक-ओ-आजाद के घर-घर
कुँवर सिंह ने गलित बाँह वह, काटी थी लिस गंगा तट पर।"

(पलटकर देखिए

अंक

प्रश्न ३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर आठ दस पंक्तियों में लिखिए। १५

अ) बुजुर्गों को लेकर हीन दृष्टिकोण रखनेवालों पर लेखक ने किस प्रकार प्रहार किया है ? यह 'चिप्स की दावत' पाठानुसार स्पष्ट कीजिए।

ब) लेखिका महादेवी वर्माजीने भाषा के महत्त्व को किस प्रकार रेखांकित किया है ?

क) पाठ बातचीत में लेखक दुर्गाप्रसाद नौटियालजीने शिवानीजी के लेखन को प्रभावित करनेवाली बातें, अर्थाजन तथा उनका पाठक के साथ के संबंधों को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?

ड) "जीवन में छोटी बात को समस्या मानकर रोते रहना उचित नहीं है।" यह दुख पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ४ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। १५

अ) कवि रघुवीर नारायणजीने "बटोहिया" कविता में भारत भूमि की प्रकृति, नदी, पहाड का वर्णन किस प्रकार स्पष्ट किया है ?

ब) माता यशोदा एवं गोपियों के श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम एवं उनकी अनुपस्थिती में उनके दुख को किस प्रकार दर्शाया गया है ?

क) डॉ. रमाकांत श्रीवास्तवजीने अपनी रचन "मेरीस्मृति" में आम, महुआ, आकाश, तारा, पवन, मेहंदी और गाँव के बारे में अपने विचार किस प्रकार व्यक्त किए है ?

ड) "जीवनपथ पर आनेवाली कठिनाइयों को घबराना नहीं चाहिए।" इस उक्ति को "उड़चल, हारिल" इस कविता के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ५ निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए। १०

अ) दूसरे संस्मरण में लेखक संजय सिन्हाजीने किस तरह परिवार ने अपरिचितों को सहजता से आश्रय दिया, सहायत की, वह आज के समय में अनुकरणीय है स्पष्ट कीजिए।

ब) "घर में काम में हाथ बटाँने की जिम्मेदारी पुरूषों की भी उतनी ही है, जितनी एक महिला की" इस उक्ति को डिनर पाठ के आधारपर स्पष्ट कीजिए।

क) महात्मा गांधीजी का चिंतन विचारणीय है यह सभी विचार आज भी समाज के लिए प्रकाश स्तंभ के समान मार्ग बताने में सक्षम है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ६ निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं पाँच के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए। १०

(१) आँख मिलाकर खड़े रहना
(२) उड़न छू हो जाना
(३) टक-टकी बाँधना
(४) दिल बैठना
(५) माथे पर बल पड़ना
(६) झेंप जाना
(७) मुँह खिलना
(८) पत्थर की लकीर होना
(९) बिदक जाना
(१०) पसीना-पसीना हो जाना

(पलटकर देखिए

अंक

प्रश्न ७ निम्नलिखित शब्दसमूहों में से किसी एक का भाव स्पष्ट कीजिए। ५

(अ) तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्मप्रवंचना है। भावना में भावना का वरण किया है।

(ब) आकाश बादलों से पटा हुआ था। दूर कभी-कभी बिजली चमक जाती थी जिसकी तेज रोशनी आस-पास के घिरे अँधेरे में दिखाई दे रही थी।

(क) जब मेहमान बैठ गए और माँ पर से सबकी आँखे हट गई तो माँ धीरे-से कुर्सी पर से उठीं और सबसे नजरें बचाती हुई अपनी कोठरी में चली गयी।

प्रश्न ८ अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन सामासिक शब्दों के विग्रह करके उन समासों के प्रकार लिखिए। ३

(१) धनदौलत
(२) यथासंभव
(३) राजद्रोही
(४) शताब्दी
(५) सुलोचना
(६) त्रिदल

ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन शब्दों का संधि-विच्छेद लिखिए। ३

(१) परमार्थ
(२) शरणार्थी
(३) वीरांगना
(४) धर्मात्मा
(५) जगन्नाथ

प्रश्न ९ कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए। ३

(अ) जीवन जोखिम से भरी हैं। (वाक्य शुद्ध करके लिखिए।)

(ब) आह कैसी सुगंध है अब मुझे कौन पूछता है (उचित विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए।)

(क) आपने भ्रमण तो काफी किया है। (अपूर्ण भूतकाल में काल परिवर्तन कीजिए।)

(ड) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों में प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए।

(१) अपनात्व
(२) चतुराई
(३) लिखाई

(इ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए।

(१) दुबला
(२) सुफल
(३) कपूत

(पलटकर देखिए

अंक

प्रश्न १० अ) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए।** ३

(१) शक्ति रहे तेरे हाथों में, छूट न जाय यह चाह ..... की।

(२) साँझ का तारा किसे खोजने आया आम ..... में।

(३) हकीकत और होती है, ... कुछ और आता है।

(४) हिमगिरि के ..... शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह।

(५) जहाँ पर ..... खिलते है, वहाँ पत्थर नहीं होता।

ब) **निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे है। किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।** ३

(१) "हाँ पुत्तर, घरवाली को मरे चार साल हो गए हैं ..... बस बेटी है तुम्हारी उम्र की होगी।"

(२) "काम तो तुम हर समय करती हो परंतु हर समय इस तरह चुप नहीं रहती।"

(३) "हमारी कोई माँग नहीं है। बस, चाहते हैं, लड़की ऐसी हो जो परिवार में विघटन न कराए।"

(४) "नहीं, मैं नही चाहता कि उस बुढ़िया का आना-जाना यहाँ फिर से शुरू हो।"

(५) "क्या पैसा माँ को देगा ?"

--*-*-*-*-*-*-*-*-

एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालानी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

दूसरा प्रश्नपत्र — निबंध लेखन, पत्र-लेखन, सार-लेखन, अनुवाद इ.

रविवार, दिनांक १९ दिसंबर, २०२१

(**समय** : दोपहर २.०० से ४.३० बजे तक)

(**कुल अंक** — १००)

सूचनाएँ.—(१) प्रश्न क्रमांक दूसरा (अ) छोडकर सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखे।
(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्च लेखन अपेक्षित है।
(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठ पर लिखिए।

अंक

प्रश्न १ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ३०० शब्दों का निबंध लिखिए। २०

अ) भाषा — मनुष्य के लिए वरदान।

ब) बचपन की मधुर यादें।

क) "बेटी बचाओ — बेटी पढ़ाओ"

ड) मैं सड़क बोल रही हूँ .....

इ) परोपकार की सच्ची सेवा

अथवा

निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर १५ से २० पंक्तियों में एक कहानी लिखिए तथा कहानी से प्राप्त सीख बतलाते हुए कहानी का उचित शीर्षक दीजिए।

घना जंगल ..... राजहंस और कौआ ..... कौए का राजहंस के रंग-रूप पर जलना ..... शिकारी का जंगल में आकर पेड़ के नीचे से जाना ..... शिकार को छाँव मिले, अत: राजहंस द्वारा पंख फैलाना ..... कौए द्वारा शिकारी के चेहरे पर बीट करना ..... राजहंस को दोषी समझकर उसकी हत्या कर देना।

प्रश्न २ अ) निम्नलिखित हिंदी अवतरण का मराठी या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। १५

स्वास्थ्य शरीरवाला मनुष्य ही इस संसार के सभी प्रकार के सुखों को भोग सकता है तथा सुखमय जीवन बीता सकता है। स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक भोजन तथा व्यायाम दोनों ही अतिआवश्यक हैं। व्यायाम करने का भी ढंग होता है। इसे करते समय सदा कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। पहली सावधानी यह है कि आयु, समय व शरीर की क्षमता के अनुसार ही व्यायाम करना चाहिए। दुसरी सावधानी यह है कि सही व्यायाम का चुनाव करना चाहिए तथा व्यायाम की उचित मात्रा निश्चित करनी चाहिए। तीसरी सावधानी यह है कि शुद्ध वायु , प्रकाशवाले खुले स्थान में व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम के तुरंत बाद स्नान नहीं करना चाहिए। व्यायाम भोजन ठीक से पचाता है, शरीर पुष्ट बन जाता है, थकान का अनुभव कम होता है तथा मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है।

(पलटकर देखिए

ब) निम्नलिखित मराठी या अंग्रेजी अवतरण का सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए। अंक १५

संस्कृतचे अध्यापक कडक होते. मुलांना जास्तीत जास्त शिकवावे याचे ते लोभी होते. संस्कृत व फार्सीत एक प्रकारची स्पर्धा असायची. पर्शियन शिक्षक शांत होते. विद्यार्थी आपसात म्हणत की, फार्सी तर सरळ आहे व फार्सीचे शिक्षक ही अतिशय ऋजू आहेत. विद्यार्थी जितके काम करून आणीत त्यावरच ते भागवत. या सोपेपणामुळे मलाही मोह झाला व मी फार्सीच्या वर्गात जाऊन बसलो. संस्कृत अध्यापकांना वाईट वाटले.

अथवा

There are three basic things the man requires-Food, Clothing and Shelter. Man has always worked hard for these things. In fact, while trying to satisfy these needs, prehistoric man laid the foundations of civilization. He learned to make weapons to kill animals for his food and tools to help make clothing and shelter.

प्रश्न ३ अ) निम्नलिखित में से एक पत्र का प्रारूप (नमुना) तैयार कीजिए। १५

अर्चित/ अर्चिता भोसले, ५४ शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए आयुक्त, महानगरपरिषद, नाशिक को पत्र लिखता/ लिखती है।

अथवा

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, ३, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलब्ध में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/ लिखती है।

ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही सात शब्दों के लिए अंग्रेजी पर्यायी शब्द लिखिए। ७

१) न्यायालयीन अधिकार
२) प्रतिवादी
३) लेखा परीक्षण
४) शपथपत्र
५) लेखापाल
६) पोषण
७) गुरूत्वाकर्षण
८) प्रशासन
९) आयोग
१०) वित्त विधेयक

क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही आठ शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द लिखिए। ८

१) Eligibility
२) Registrar
३) Notification
४) Service Charges
५) Show Cause
६) Gazette
७) Management
८) Cashier
९) Data
१०) Satellite

(पलटकर देखिए

प्रश्न ४ निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई सार लिखिए अथवा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखकर सार को उचित शीर्षक दीजिए। अंक २०

भाग्य पर विश्वास करनेवालोंका दावा है कि, पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता मिलती है या सुख-दुख आते हैं। कई बार भरकस प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है, तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे मजबूर होना पड़ता है कि भाग्य में वही लिखा था। सफलता केवल प्रयत्न और परिश्रम से ही नहीं मिलती।

उसके लिए व्यवहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक हैं। काम को बीना समझे, गलत ढ़ंग से, उचाट मन से, उद्देश्य की पूरी और जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जाए, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करनेवालों को सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मो के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चूप बैठा जाता है । भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर असफला के कारणों को ढूँढा जाए और पुरूषार्थी बनकर उस काम को फिर से करने का संकल्प किया जाए, तो असफलता के कारणों से बचने की समझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

प्रश्न :-

१) व्यक्ति सफल कब हो सकता है? (४)
२) भाग्यवादी लोग क्या मानते हैं ? (४)
३) सफलता के लिए व्यक्ति में कौन-कौन से गुण होने चाहिए ? (४)
४) भाग्यवाद में विश्वास करने का क्या परिणाम होता है ? (३)
५) व्यक्ति दुखी कब हो जाता है ? (३)
६) इस गद्यांश को पढ़कर क्या संदेश मिलता है ? (२)

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-